ARKA JAIN University
Jharkhand

ARKA JAIN University
Jharkhand

SCHOOL OF HUMANITIES

DEPARTMENT OF ENGLISH

CIRCULAR

Ref: AJU/BA ENG/12/2023 **Date: 19-02-2023**

International Mother Language Day Celebration

Dear Students,

This is hereby notified that ARKA Literary Club is going to celebrate the International Mother Language Day on 21st February 2023 with great fervour to promote awareness of linguistic and cultural diversity as well as multilingualism.

On the same note, Speech, Slogan and Poetry Recitation would be organized for all the students of the University.

The students are required to assemble at JEH-Auditorium, Aryabhata Block at 11. 00 AM on 21st February, 2023.

19/2/23

Dr. Manoj Kumar Pathak
Event Coordinator

Ms. Rajkumari Ghosh
Convenor-cum-Program Coordinator
Department of English

Program Co-ordinator
School of Humanities

Copy to:

- PS to Hon'ble Vice-Chancellor
- PS to Director
- AJU website
- All Deans and PCs
- Academic Coordinator
- Office file
- Notice board
- Students group (Email)
- Faculty Coordinators

Report on: माई भाषा-International Mother Language Day
Held on: 21 February, 2023

Date of Event	21 February, 2023
Name and Type of Event	**माई भाषा-International Mother Language Day**
Conducted by	ARKA Literary Club (Dept. of English)
Event Coordinator	Dr. Manoj Kumar Pathak
No. of Participants	34
Objectives	to promote linguistic and cultural diversity and multilingualism.
Outcomes	Recognition of languages and multilingualism that can advance inclusion, and the Sustainable Development Goals' focus on leaving no one behind

The ARKA Literary Club, under the aegis of the Department of English, organized **माई भाषा-International Mother Language Day** with an objective to promote linguistic and cultural diversity and multilingualism on 21st February, 2023 at the University Auditorium, JEH at 11.00 AM.

About the Speakers: Prof. (Dr.) S. S. Razi, Hon'ble Vice-Chancellor, AJU & Prof. (Dr.) Angad Tiwary, Director (Campus)-cum-DSW

About the Event:
The ARKA Literary Club organized "माई भाषा-International Mother Language Day" programme, with lecture sessions, slogan writing and poetry recitation session on International Mother Language Day, with the Vice chancellor and Dr. Angad Tiwary DSW delivering talks as the keynote speakers. The Convenor Prof. Rajkumari Ghosh welcomed all and said that celebrating a language means paying respect and tribute to our mother tongue, which also raises awareness about one's culture, history which is linked to our origin. Mother tongue, according to Hon'ble VC, is the origin of a person's vocabulary and communication abilities. The idea of a country's culture outside of its mother tongue is insufficient. He asserted that we may preserve originality by honouring the native tongue.

Director Shri Amit Srivastava said that Mother tongue is not only our nation's identity but also the authentic conductor, communicator, and representation of our culture, values, and values. According to Dr. Angad Tiwari, Director (Campus)-cum-Dean, Students' Welfare, what we acquire through our native tongue cannot be learned from any other language in the world. Mother tongue, together with public consciousness and human growth, is the archive of human consciousness, according to the event coordinator and host, Dr. Manoj Kumar Pathak.

On this very occasion the students across disciplines took participation in speech, slogan writing and poetry recitation in their respective mother languages.
The importance of the day was delivered by Dr. Rupa Sarkar, the event coordinator Dr. Manoj Kumar Pathak conducted the event and Ms. Shahin Fatma proposed the vote of thanks.

ARKA JAIN University Jharkhand

POSTER

PHOTOS OF THE EVENT

Fig. 1.1 Participants of Slogan, Speech, Poetry Recitation in International Mother Language Day

Fig. 1.2 Director (Campus)-cum-DSW Prof. (Dr.) Angad Tiwary addressing the gathering on International Mother Language Day

Fig. 1.3 Convenor of Arka Literary Club Prof. rajkumari Ghosh addressing the audience

Fig. 1.4 Event Coordinator Dr. Manoj Kumar Pathak addressing the gathering on the historical aspect of language movement of Bangladesh

Fig. 1.5 Student audiencne of International Mother Language Day

Fig. 1.6 Debopriya Dasgupta reciting Bengali Poem

Fig. 1.7 Angel Silvi Guria reciting Mundari poem

Fig. 1.8 Deepak Pandey reciting Avadhi poem

PARTICIPANTS

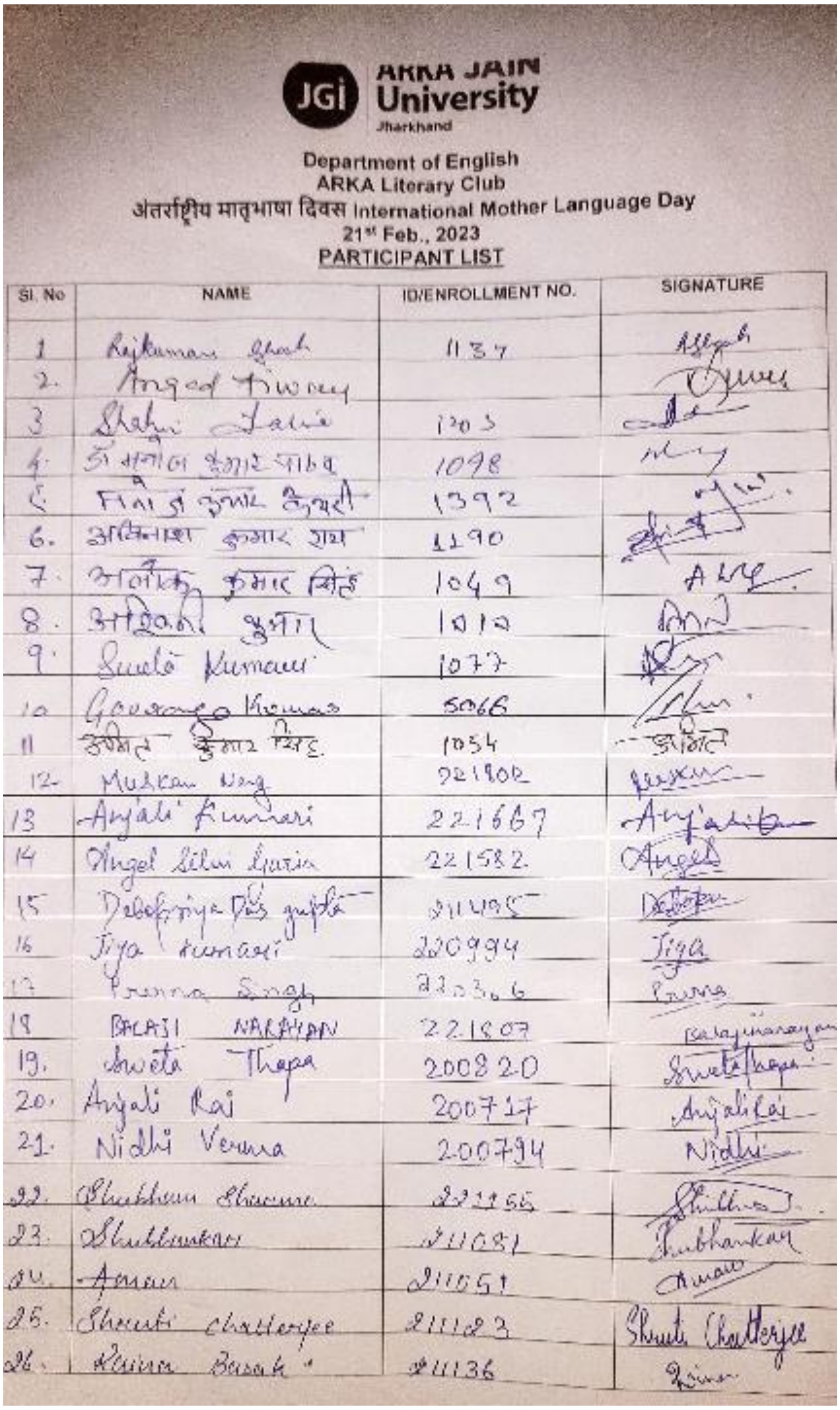

ARKA JAIN University
Jharkhand

Department of English
ARKA Literary Club
अंतर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस International Mother Language Day
21st Feb., 2023
PARTICIPANT LIST

Sl. No	NAME	ID/ENROLLMENT NO.	SIGNATURE
1	Rajkumar Ghosh	1137	[illegible]
2.	Angad Tiwary		[illegible]
3	Shahzi Jalie	1203	[illegible]
4.	डॉ मनोज कुमार यादव	1098	[illegible]
5	[illegible]	1392	[illegible]
6.	अविनाश कुमार राय	1190	[illegible]
7.	अलोक कुमार सिंह	1049	[illegible]
8.	अश्विनी कुमार	1012	[illegible]
9.	Sweta Kumari	1077	[illegible]
10	Gouranga Kumar	5066	[illegible]
11	अमित कुमार सिंह	1054	अमित
12.	Muskan Nag	221902	[illegible]
13	Anjali Kumari	221667	Anjali
14	Angel Silvi Liaria	221582.	Angel
15	Debopriya Das gupta	211495	[illegible]
16	Jiya kumari	220994	Jiya
17	Prerna Singh	220306	Prerna
18	BALAJI NARAYAN	221807	Balajinarayan
19.	Sweta Thapa	200820	Sweta Thapa
20.	Anjali Rai	200717	Anjali Rai
21.	Nidhi Verma	200794	Nidhi
22.	Shubham Sharma	221155	Shubham
23.	Shubhankar	211081	Shubhankar
24.	Aman	211051	Aman
25.	Shruti chatterjee	211123	Shruti Chatterjee
26.	Raina Basak	211136	[illegible]

ARKA JAIN University
Jharkhand

ARKA JAIN University
Jharkhand

Department of English
ARKA Literary Club
International Mother Language Day
21st Feb., 2023

PARTICIPANT LIST

Sl. No	NAME	ID/ENROLLMENT NO.	SIGNATURE
27.	Ankita	1361	Ankita
28.	Aashish Kumar	1083	[signature]
29.	[illegible]	1296	[signature]
30.	Dr. Amit Prakash Sen	1282	[signature]
31.	Ayushi	1212	Ayushi
32.	Alok	1049	Alok
33.	Sushmita Ghosh	1280	Sushmita Ghosh
34	Sweta Dasgupta	1329	Sweta.

MEDIA COVERAGE

पाठ किया। लिटरेरी क्लब ने विश्वविद्यालय के घोष ने सभी का स्वागत किया और अपनी संस्कृति, इतिहास के बारे संप्रेषण क्षमता का मू

आदित्यपुर-जमशेदपुर, बुधवार, 22 फरवरी, 2023 न्यू इस्पात मेल

मातृभाषा न केवल देश की पहचान, हमारी संस्कृति का भी संप्रेषक : अमित

अरका जैन यूनिवर्सिटी में मातृभाषा दिवस पर माई भाषा का आयोजन

जमशेदपुर, 21 फरवरी (रिपोर्टर) : अरका जैन यूनिवर्सिटी के अंग्रेजी विभाग की ओर से अरका लिटरेरी क्लब की ओर से यूनिवर्सिटी ऑडिटोरियम में भाषाई और सांस्कृतिक विविधता और बहुभाषावाद को बढ़ावा देने के उद्देश्य से माई भाषा अंतर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस का आयोजन किया गया. इस मौके पर अरका जैन यूनिवर्सिटी के निदेशक अमित श्रीवास्तव ने कहा कि मातृभाषा न केवल हमारे देश की पहचान है बल्कि हमारी संस्कृति, मूल्यों और संस्कारों की प्रामाणिक संवाहक, संप्रेषक और प्रतिनिधि भी है. यूनिवर्सिटी के कुलपति डा. एस एस रजी ने कहा कि मातृभाषा व्यक्ति के शब्द भंडार व संप्रेषण क्षमता का मूल है. अपनी मातृभाषा के बाहर किसी देश की संस्कृति का विस्तार अपर्याप्त है. उन्होंने कहा कि हम मातृभाषा का सम्मान कर मौलिकता को बचा सकते हैं. कार्यक्रम की संयोजक प्रो. राजकुमारी घोष ने कहा कि किसी भाषा को मनाने का अर्थ है अपनी मातृभाषा को सम्मान और श्रद्धांजलि देना, जो अपनी संस्कृति, इतिहास के बारे में भी जागरूकता पैदा करती है. डा. अंगद तिवारी ने कहा कि हम अपनी मातृभाषा के माध्यम से जो सीखते हैं, वह दुनिया की किसी अन्य भाषा से नहीं सीखा जा सकता है. कार्यक्रम के समन्वयक डा. मनोज पाठक ने कहा कि मातृभाषा जनचेतना और मानव विकास के साथ-साथ मानव चेतना का संग्रह है. डा. रूपा सरकार ने मातृभाषा दिवस के बारे में जानकारी दी. इस मौके पर छात्रों ने अपनी अपनी मातृभाषाओं में भाषण, नारा लेखन और कविता पाठ में भाग लिया. संचालन डा. मनोज पाठक ने किया व धन्यवाद ज्ञापन प्रो. शाहीन फातमा ने किया. इस मौके पर अरका जैन यूनिवर्सिटी के निदेशक अमित श्रीवास्तव, कुलपति डा. एस एस रजी, डा. अंगद तिवारी, डा. मनोज पाठक आदि मौजूद थे.

New Ispat mail

दैनिक जागरण जमशेदपुर, 22 फरवरी, 2023

विकास के लिए मातृभाषा में चिंतन जरूरी

डा. अशोक ने किया संबोधित, अंतरराष्ट्रीय मातृभाषा दिवस पर कालेजों में संगोष्ठी व काव्य पाठ आयोजित

जासं, जमशेदपुर : अंतरराष्ट्रीय मातृभाषा दिवस पर विभिन्न शैक्षणिक संस्थानों में कई कार्यक्रम आयोजित हुए। कहीं संगोष्ठी तो कहीं पर कविता पाठ का आयोजन हुआ। एलबीएसएम कालेज में आयोजित काव्य गोष्ठी को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि कालेज के प्रिंसिपल सह साहित्यकार डा. अशोक कुमार झा अविचल ने मातृभाषा के महत्व की चर्चा करते हुए कहा कि मातृभाषा का सीधा रिश्ता हमारी मस्तिष्क से है। उन्होंने कहा कि मां, मातृभूमि और मातृभाषा के बिना किसी भी देश का विकास नहीं हो सकता। हमारा चिंतन प्रायः अनुवाद के माध्यम से होता रहा है, जबकि मौलिक आविष्कार और देश के विकास के लिए अपनी मातृभाषा में चिंतन जरूरी है।

मातृभाषा से जो प्रेम करेगा, वह सभी भाषाओं से प्रेम करेगा, वह राष्ट्रभाषा से भी प्रेम करेगा। अंग्रेजी विभागाध्यक्ष डा. मौसूमी पाल ने बांग्ला में विरासत या धरोहर नामक कविता का पाठ करते हुए कहा कि हमारी बांग्ला भाषा हमारा गौरव है, हमारी शान है। डा. शबनम परवीन ने उर्दू, प्रो. संजीव मुर्मू ने संताली में काव्य पाठ किया।

अर्का जैन विश्वविद्यालय में अंतरराष्ट्रीय मातृभाषा दिवस पर आयोजित कार्यक्रम के दौरान अतिथि व कविता पाठ करने वाले विद्यार्थी • जागरण

एलबीएसएम कालेज में अंतरराष्ट्रीय मातृभाषा दिवस पर काव्य पाठ कार्यक्रम को संबोधित करते प्रिंसिपल डा. एके झा • जागरण

यहां सिर्फ लौह नहीं बल्कि संस्कृतियां पिघलती हैं : डा. अंजिला

अंतरराष्ट्रीय मातृभाषा दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में मंचासीन जमशेदपुर महिला विश्वविद्यालय की कुलपति व अन्य अतिथि • जागरण

जासं, जमशेदपुर : जमशेदपुर महिला विश्वविद्यालय के बिष्टुपुर परिसर में अंतरराष्ट्रीय मातृभाषा दिवस का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से कुलपति प्रो. (डा.) अंजिला गुप्ता उपस्थित थी। इस मौके पर डा. गुप्ता ने कहा कि जमशेदपुर शहर विविध मातृभाषाओं वाली संस्कृति का केंद्र है। उनके अनुसार यहां सिर्फ लौह नहीं पिघलता है बल्कि संस्कृतियां पिघलती हैं। विविध संस्कृति से सजी हमारी भारत भूमि का सही प्रतिबिंब विविध मातृभाषाओं में मिलता है।

मौके पर अधिष्ठाता छात्र कल्याण डा. किश्वर आरा, अधिष्ठाता मानविकी संकाय डा. सुधीर कुमार साहु, स्नातकोत्तर हिंदी विभाग की अध्यक्ष डा. पुष्पा कुमारी समेत कई प्राध्यापक उपस्थित थे। मातृभाषा पर आधारित कई तरह के सांस्कृतिक कार्यक्रम हुए।

श्रीनाथ कालेज में कुड़माली लोकगीत की प्रस्तुति

आदित्यपुर स्थित श्रीनाथ कालेज आफ एजुकेशन में सेमिनार का आयोजन किया गया। सेमिनार का शुभारंभ कोल्हान विश्वविद्यालय के सीसीडीसी डा. मनोज कुमार महापात्र, डा. लोकनाथ, डा. राधा गोविंद त्रिपाठी तथा डा. सुचित्रा बेहरा के द्वारा दीप प्रज्वलित कर तथा गायत्री मंत्र के साथ हुआ।

अर्का जैन में माई भाषा का आयोजन : अर्का जैन विश्वविद्यालय के अंग्रेजी विभाग के तत्वाधान में लिटरेरी क्लब ने विश्वविद्यालय के आडिटोरियम में मंगलवार को माई भाषा नामक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। संयोजक प्रो. राजकुमारी घोष ने सभी का स्वागत किया और कहा कि किसी भाषा को मनाने का अर्थ है अपनी मातृभाषा को सम्मान और श्रद्धांजलि देना, जो अपनी संस्कृति, इतिहास के बारे में भी जागरूकता पैदा करती है। कुलपति डा. एसएस रजी के अनुसार मातृभाषा व्यक्ति के शब्द भंडार और संप्रेषण क्षमता का मूल है।

वर्कर्स कालेज में अपिरचिता फिल्म का प्रदर्शन

जमशेदपुर वर्कर्स कालेज में एक समारोह का आयोजन महाविद्यालय के आइक्यूएसी तथा हिंदी, संस्कृत, अंग्रेजी, उर्दू, बांग्ला एवं उड़िया विभाग के द्वारा संयुक्त रूप से किया गया। कार्यक्रम में रवींद्र नाथ ठाकुर की कहानी अपरिचिता फिल्म का प्रदर्शन किया गया, जिसे सभी शिक्षकों और विद्यार्थियों ने रुचिपूर्वक देखा।

Dainik Jagran

ARKA JAIN University Jharkhand

अरका जैन यूनिवर्सिटी

जमशेदपुर . अरका जैन यूनिवर्सिटी के अंग्रेजी विभाग की ओर से अंतरराष्ट्रीय मातृभाषा दिवस का आयोजन किया . इस अवसर पर वक्ता के रूप में कुलपति प्रो (डॉ) एसएस रजी, निदेशक (परिसर) -सह-डीएसडब्ल्यू प्रो (डॉ) अंगद तिवारी व निदेशक अमित कुमार श्रीवास्तव उपस्थित थे . संयोजक प्रो राजकुमारी घोष ने कहा कि ऐसे आयोजन के जरिये हम अपनी मातृभाषा को सम्मान देते हैं . मौके पर कुलपति डॉ एसएस रजी ने कहा कि मातृभाषा व्यक्ति के शब्द भंडार और संप्रेषण क्षमता का मूल है . निदेशक अमित श्रीवास्तव ने कहा कि मातृभाषा हमारी संस्कृति, मूल्यों और संस्कारों की प्रामाणिक संवाहक, संप्रेषक और प्रतिनिधि भी है . डॉ अंगद तिवारी ने कहा कि हम अपनी मातृभाषा के माध्यम से जो सीखते हैं, वह दुनिया की किसी अन्य भाषा से नहीं सीख सकते . कार्यक्रम के समन्वयक डॉ मनोज कुमार पाठक ने कहा कि मातृभाषा मानव चेतना का संग्रह है . इस अवसर पर विभिन्न विषयों के छात्रों ने अपनी-अपनी मातृभाषाओं में भाषण, नारा लेखन और कविता पाठ में हिस्सा लिया .

Prabhat Khabar